BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS

COMPILED BY MEDIA CELL (18.10.2024)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:18.10.2024, PAGE-04

कमरों में तालाबंदी कर छात्राएं गायब

पीजी महिला छात्रावासों में अवैध कब्जा नवनामांकित छात्राओं को नहीं हो रहा आवंटन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी महिला छात्रावासों में वर्षों से कई कमरों में ताले लगे हैं। छात्राएं कमरों में ताला लगाकर बाहर जा चुकी हैं। वर्षों से यही स्थिति है। इस कारण नए छात्राओं को कमरों का आवंटन नहीं हो पा रहा है। सबसे अधिक परेशानी पीजी की छात्राओं को हो रहा है। कई ने छात्रावास आवंटन के लिए विश्वविद्यालय में आवेदन दिया है, लेकिन उनका आवंटन नहीं हो पा रहा है। इसका कारण महिला छात्रावासों में कमरों की कमी बताई जा रही है। पीजी की छात्राओं के रहने के लिए कमरों का अभाव है। ऐसे में छात्रावासों के सुपरिंटेंडेंट ने विश्वविद्यालय से कमरों की उपलब्धता नहीं होने के कारण नए आवंटन पर रोक लगाने की मांग की है। विश्वविद्यालय की ओर से छात्रावासों से अवैध कब्जा हटाए जाने को लेकर पिछले दिनों आदेश जारी किया गया था। इसमें वर्षों से बंद पड़े कमरों का ताला तोड़ उन्हें नए सिरे से आवंटित किया जाना था। सारी प्रक्रिया सुपरिंटेंडेंट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी कराते हुए संपन्न कराई जानी थी। बावजूद इसके अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। दूसरी ओर पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद भी महिला और पुरुष छात्रावासों में कई विद्यार्थी वर्षों से रह रहे हैं।

पीजी, स्नातक और शोधार्थियों के लिए छात्रावास का निर्धारण : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के महिला छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं और शोधार्थियों के लिए हास्टल का निर्धारण हो गया है। महिला छात्रावास संख्या चार में पीएचडी की शोधार्थी रहेंगी तो छात्रावास संख्या एक में पीजी की छात्राएं। हास्टल संख्या तीन में स्नातक की छात्राएं रहेंगी। इसका निर्धारण विश्वविद्यालय की ओर से कर दिया गया है। इसकी जानकारी सभी छात्रावासों में भेजी जा रही है। दूसरी ओर अब तक बकाए शुल्क का भुगतान नहीं करने वाली छात्राओं को तीन दिनों के भीतर राशि जमा करनी होगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें छात्रावास खाली करना होगा। जल्द ही इसको लेकर आदेश जारी होगा।

- अवैध कब्जा हटाए जाने का आदेश जारी होने के बाद भी कार्रवाई नहीं
- डीएसडब्लू ने किया निरीक्षण साफ-सफाई कराने पर बल

महिला छात्रावासों का निरीक्षण करने पहुंचे डीएसडब्लू डा.आलोक प्रताप सिंह ● जागरण

महिला छात्रावास में उगे जंगल-झाड़ का दृश्य ● जागरण

छात्रावासों में उगे जंगल-झाड़ ड्रेनेज सिस्टम भी खराब

पीजी महिला छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। डीएसडब्लू डा. आलोक प्रताप सिंह ने गुरुवार को महिला छात्रावासों का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां साफ-सफाई की तत्काल व्यवस्था कराए जाने की गुहार लगाई गई। छात्रावास में झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। इस कारण छात्राएं काफी डरी-सहमी रहती हैं। दूसरी ओर वहां स्टाफ की काफी कमी है। यहां कार्य करने वाले कर्मचारियों से विभिन्न कार्यालयों में काम लिया जा रहा है। इससे छात्रावास का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। दूसरी ओर हास्टल में ड्रेनेज सिस्टम भी खराब है। डीएसडब्लू ने बताया कि महिला छात्रावासों में साफ-सफाई जल्द से जल्द कराए जाने की जरूरत है। साथ ही नाले और सेप्टी टैंक की सफाई कराए जाने की बात कही। बताया कि महिला छात्रावास संख्या दो अभी हैंडओवर की स्थिति में नहीं है। इसमें काफी कार्य शेष है। इसमें कई बुनियादी सुविधाओं को बेहतर किए जाने की आवश्यकता है। व्यवस्था में सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 18.10.2024, PAGE-04

बीआरएबीयू • पीजी, स्नातक और शोध छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल का निर्धारण

हॉस्टल में ताला लगाकर गायब हैं छात्राएं नई छात्राओं को नहीं मिल पा रहा कमरा

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में कई छात्राएं वर्षों से कमरे में ताला लगाकर गायब हैं। इसके चलते नया आवेदन करने वाली छात्राओं को कमरा नहीं मिल पा रहा है। खासकर पीजी की छात्राओं के सामने इस तरह की समस्या आ रही है। आवेदन करने के बाद वे कई सप्ताह से विवि का चक्कर लगा रही हैं। विवि की ओर से कई बार इन कमरों का ताला तोड़कर कब्जा हटाने का प्रयास किया गया है, लेकिन कोई पहल नहीं हो सकी। पीजी गर्ल्स हॉस्टल में वर्षों से कई कमरों में ताला लगा हुआ है। छात्राएं कमरों में ताला लगा कर हॉस्टल से बाहर जा चुकी हैं। इस कारण नई छात्राओं को कमरा आवंटित नहीं हो पा रहा है। सबसे अधिक परेशानी पीजी की छात्राओं को हो रही है। कई छात्राओं ने हॉस्टल आवंटन के लिए विवि को आवेदन दिया है, लेकिन उनका आवंटन नहीं हो पा रहा है। इसका कारण गर्ल्स हॉस्टल में कमरों की कमी बताई जा रही है। पीजी की छात्राओं के रहने के लिए कमरों का अभाव है। हॉस्टल सुपरिंटेंडेंट ने विवि से कमरों की उपलब्धता नहीं होने के कारण नए आवेदन पर रोक लगाने की मांग की है। दूसरी ओर विवि की ओर से छात्राओं और शोधार्थियों के लिए हॉस्टल का निर्धारण कर दिया गया है। गर्ल्स हॉस्टल संख्या 4 में पीएचडी की शोधार्थी रहेंगी, तो हॉस्टल संख्या 1 में पीजी और हॉस्टल संख्या 3 में स्नातक की छात्राएं रहेंगी। साथ ही यह भी कहा गया है कि अब तक बकाया शुल्क का भुगतान नहीं करने वाली छात्राओं को 3 दिनों के भीतर राशि जमा करनी होगी। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन्हें छात्रावास खाली करना होगा।

अल्टीमेटम : शुल्क जमा करने को 3 दिन का समय, नहीं तो खाली करना होगा कमरा

पीजी गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण करने पहुंचे डीएसडब्ल्यू।

अभी हैंडओवर की स्थिति में नहीं है हॉस्टल नंबर-2

निर्माणाधीन हॉस्टल नंबर-2 अभी हैंडओवर की स्थिति में नहीं है। डीएसडब्ल्यू ने निरीक्षण के बाद बताया कि इसमें काफी कार्य अभी बाकी है। इसमें कई बुनियादी सुविधाओं को बेहतर किए जाने की आवश्यकता है। बता दें कि पिछले दिनों बताया गया था कि हॉस्टल नंबर-2 में फिनिशिंग का कार्य बाकी है। ठेकेदार की ओर से कहा गया था कि जितने का बजट था, उतने का कार्य हो चुका है। शेष कार्य के लिए और भुगतान की मांग की थी। इस पर विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया था कि कार्य पूरा करके हॉस्टल हैंडओवर करें, जिसके बाद भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अतिरिक्त कार्य के लिए करीब 9 लाख रुपए के भुगतान की बात कही गई थी।

इधर, डीएसडब्ल्यू ने हॉस्टल का किया निरीक्षण, जंगल-झाड़ व जलनिकासी की समस्या देखी

पीजी गर्ल्स हॉस्टल में डीएसडब्ल्यू डॉ. आलोक प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया और बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति को नजदीक से देखा। निरीक्षण के दौरान वहां साफ-सफाई की तत्काल व्यवस्था कराए जाने की गुहार लगाई गई। छात्रावास में बड़े-बड़े जंगल-झाड़ उग आए हैं। इस कारण छात्राएं काफी सहमी हुई रहती हैं। हॉस्टल में ही पिछले महीने एक छात्रा को सांप ने डंस लिया था। दूसरी ओर, हॉस्टल में स्टाफ की कमी भी बताई गई, जिसके कारण कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बताया गया कि हॉस्टल में कार्य करने वाले कर्मचारियों से विभिन्न कार्यालयों में कार्य लिया जा रहा है। इससे हॉस्टल का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। हॉस्टल का ड्रेनेज सिस्टम भी पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि गर्ल्स हॉस्टल में साफ-सफाई जल्द से जल्द कराए जाने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने नाले और सेप्टी टैंक की सफाई कराने की भी बात कही।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 18.10.2024, PAGE-06

डीएसडब्ल्यू ने किया हॉस्टल का निरीक्षण

बीआरएबीयू की मेंस टीम चांसलर कप के क्वार्टर फाइनल में

मुजफ्फरपुर। पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटर यूनिवर्सिटी चांसलर कबड्डी कप में गुरुवार को बीआरएबीयू की मेंस टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। वीमेंस कैटेगरी के प्री-क्वार्टर फाइनल में बीआरएबीयू को एमिटी यूनिवर्सिटी, पटना से 33 के मुकाबले 40 अंकों से पराजय का सामना करना पड़ा। इस हार से बीआरएबीयू की वीमेंस टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं मेंस कैटेगरी के प्री-क्वार्टर फाइनल में बीआरएबीयू ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 38-23 से हराया।

नई शिक्षा नीति के तहत राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को दिया गया आदेश

बीआरएबीयू में विद्यार्थियों का बनाया जाएगा हेल्थ कार्ड

हि अच्छी खबर

- विश्वविद्यालय में साल में दो बार लगेगा हेल्थ कार्ड के लिए शिविर
- स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर विवि बनवाएगा छात्रों की हेल्थ आईडी
- डीएसडब्ल्यू बोले, राजभवन से पत्र मिलते शुरू कर दी जाएगी पहल

मेरु प्रोजेक्ट मिलने की संभावना में बिहार विवि देश में सबसे आगे

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:18.10.2024, PAGE-04

हिन्दुस्तान कार्यालय में लकी ड्रॉ के विजेता को स्मार्टफोन देते मुख्य अतिथि।

"मुझे हिन्दुस्तान कार्यालय में फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स के लकी ड्रॉ के लिए बुलाया गया, इससे मुझे बहुत खुशी मिली है। इस योजना से पाठकों को हिन्दुस्तान अखबार से जुड़ने का अच्छा अवसर मिलेगा।

-प्रो. दिनेश चन्द्र राय, कुलपति, बीआरएबीयू।

"हिन्दुस्तान की ओर से चलाई जा रही फेस्टिवल ऑफ गिफ्ट्स योजना पाठकों को अधिक आकर्षित कर रही है। इससे पाठकों की संख्या में काफी वृद्धि होगी।

-डॉ. कुमार शर्तेन्दु शेखर, रजिस्ट्रार, ललन मिश्रा कॉलेज एंड बिजनेस मैनेजमेंट